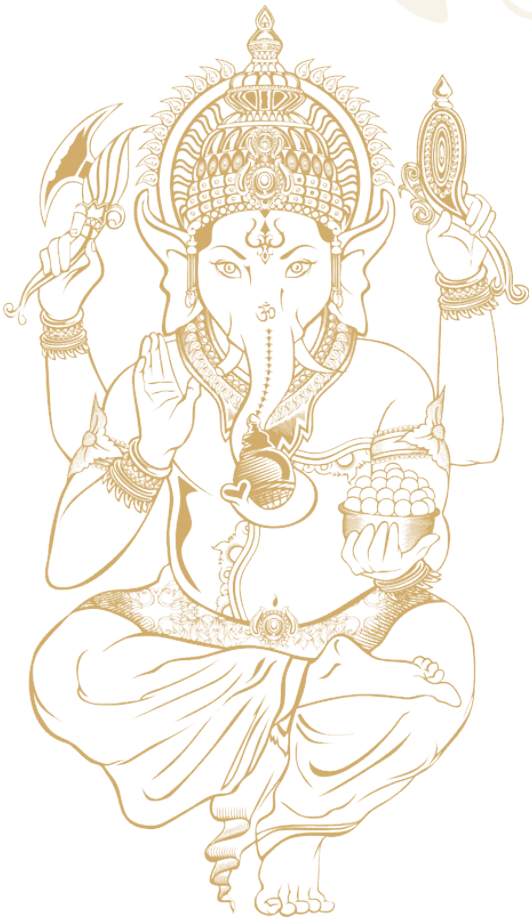

Mr. Chandra mani

06 Jan 1975

11:58 AM

Hajipur

Model: Varshphal-2017

Order No: 120414201

तिथि 06/01/1975 **समय** 11:58:00 **वार** सोमवार **स्थान** Hajipur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:30:46
अक्षांश 25:41:00 उत्तर **रेखांश** 85:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:10:52 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	19:09:44 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:05:35 घं	योनि	महिष
सूर्योदय	06:36:53 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	17:12:41 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2031	वश्य	मानव
शक संवत	1896	वर्ग	मृग
मास	पौष	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	वायु
तिथि	10	जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
नक्षत्र	स्वाति	पाया(रा.-न.)	ताम्र-रजत
योग	सुकर्मा	होरा	शुक्र
करण	वणिज	चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी
राहु 13वर्ष 1मा 9दि
बुध
15/02/2023
15/02/2040

बुध	14/07/2025
केतु	11/07/2026
शुक्र	11/05/2029
सूर्य	17/03/2030
चन्द्र	17/08/2031
मंगल	13/08/2032
राहु	02/03/2035
गुरु	07/06/2037
शनि	15/02/2040

योगिनी
पिंगला 1वर्ष 5मा 14दि
उल्का
21/06/2024
22/06/2030

उल्का	21/06/2025
सिद्धा	21/08/2026
संकटा	21/12/2027
मंगला	20/02/2028
पिंगला	21/06/2028
धान्या	21/12/2028
भ्रामरी	21/08/2029
भद्रिका	22/06/2030

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			00:08:41	मेष	अश्विनी	1	केतु	केतु	---	0:00			
सूर्य			21:47:31	धनु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु	मित्र राशि	1.53	भ्रातृ	पितृ	साधक
चंद्र			10:17:22	तुला	स्वाति	2	राहु	गुरु	सम राशि	1.15	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल			25:13:58	वृश्चि	ज्येष्ठा	3	बुध	राहु	स्वराशि	1.15	आत्मा	भ्रातृ	क्षेम
बुध		अ	02:08:56	मक	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	गुरु	सम राशि	0.76	कलत्र	ज्ञाति	वध
गुरु			20:42:46	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	गुरु	सम राशि	0.99	मातृ	धन	सम्पत
शुक्र			06:28:39	मक	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध	मित्र राशि	1.06	ज्ञाति	कलत्र	वध
शनि	व		21:55:38	मिथु	पुनर्वसु	1	गुरु	शनि	मित्र राशि	0.93	अमात्य	आयु	सम्पत
राहु			16:17:39	वृश्चि	अनुराधा	4	शनि	गुरु	शत्रु राशि		---	ज्ञान	विपत
केतु			16:17:39	वृष	रोहिणी	2	चंद्र	शनि	सम राशि		---	मोक्ष	मित्र

लग्न-चलित

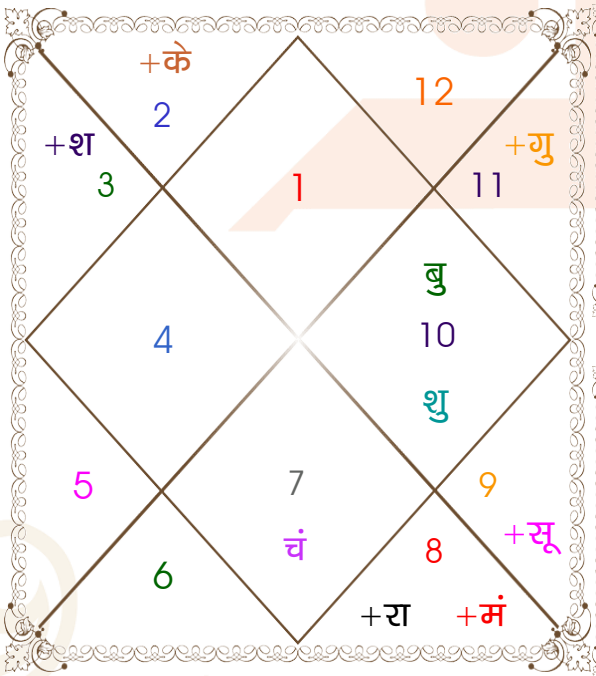

चन्द्र कुंडली

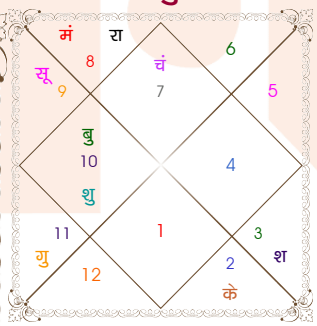

नवमांश कुंडली

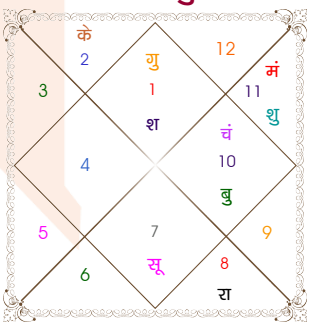

सर्वाष्टकवर्ग

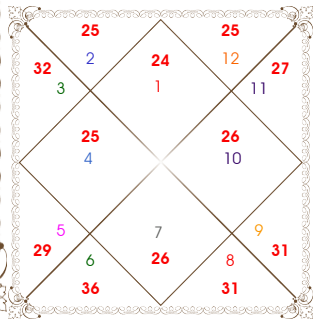

दशमांश कुंडली

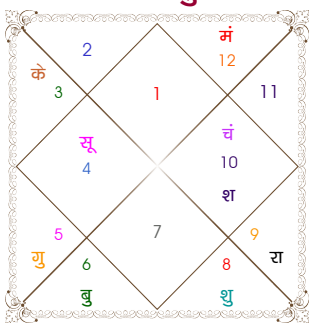

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप रक्त विकार से कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेंगी तथा मन से आप चिन्तित तथा व्याकुल रहेंगे। साथ ही आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी जिससे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। शत्रुपक्ष या विरोधी इस समय आपसे संघर्ष के लिए तत्पर रहेंगे तथा आप उनका सामना करने के लिए उद्यत रहेंगे। इसी संघर्ष में आपको किसी शस्त्रादि से चोट लग सकती है लेकिन पराक्रम आपका बना रहेगा तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। साथ ही संघर्ष पूर्वक सुख संसाधनों की भी अल्प मात्रा में प्राप्ति होगी तथा न्यूनाधिक रूप से आप इनका उपभोग करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्वक आप इस क्षेत्र में उन्नति करेंगे एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही यदा कदा इसमें समस्याएं भी हो सकती है तथा हानि के अवसर भी आ सकते हैं अतः सावधान रहें। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञापालन में तत्पर रहें। इस वर्ष में आपकी प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा अस्वस्थता की भी आप अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति भी आपकी इस समय सामान्य रहेगी तथा समय समय पर मन में उद्विग्नता तथा अशान्ति रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा परिवार में तनाव तथा मतभेद का वातावरण रहेगा। इस समय मित्र वर्ग एवं संबंधियों से भी आपको अल्प मात्रा में ही सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही यदा कदा संबंधों में कटुता उत्पन्न होगी परन्तु उसका प्रभाव अल्प रहेगा। संतति पक्ष के लिए वर्ष मध्यम ही रहेगा तथा न्यूनाधिक रूप से उनका सुख एवं सहयोग प्राप्त करते रहेंगे। इस समय आपके विगत रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्पों की पूर्ति परिश्रम पूर्वक ही होगी। साथ ही सुखोपभोग भी मध्यम रहेगा परन्तु वाहन संबंधी सुख की प्राप्ति होने की संभावना रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम एवं संघर्ष से आप सफलता प्राप्त करेंगे।साथ ही लाभमार्गो में यदा कदा परेशानी उत्पन्न होगी। नौकरी या राजनीति संबंधी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता भी आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा इनसे सहयोग एवं लाभ भी अल्प ही मिलेगा। इस समय आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः ऐसे समय में धैर्य एवं शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा समय के व्यतीत होने की प्रतीक्षा करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराकम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट एवं परेशानी से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय रक्त विकार संबधी कोई परेशानी भी हो सकती है।मानसिक रूप से भी इस समय आप चिन्तित तथा असन्तुष्ट रहेंगे। मित्र एवं संबधियों से इस समय आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव की भी संभावना रहेगी तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। संतति पक्ष के लिए भी यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा उनके सुख एवं सहयोग में भी अल्पता रहेगी। परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस वर्ष में विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे जिससे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा इसमें अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में आपकी उन्नति तथा लाभ में न्यूनता रहेगी तथा नौकरी या कार्य क्षेत्र में पदोन्नति में विलम्ब तथा रूकावटें उत्पन्न होंगी। साथ ही विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा अतः ऐसे समय में आपको नवीन कार्य प्रारंभ नहीं करने चाहिए तथा सहयोगियों तथा साझेदारों से भी सावधान रहना चाहिए। इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे फलतः ये आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उन्नति एवं लाभ अर्जित करने के लिए इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

प्रथम मास

06/01/2025 07:33:20 से 04/02/2025 19:20:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:22:47
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:47:32
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:54:33
मंगल	व	कर्क	पुष्य	05:55:40
बुध		धनु	मूल	02:29:16
गुरु	व	वृष	रोहिणी	18:29:57
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	08:53:54
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:43:08
राहु		मीन	उ०भाद्रपद	06:13:46
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:13:46
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	00:08:41

मासाधिपति

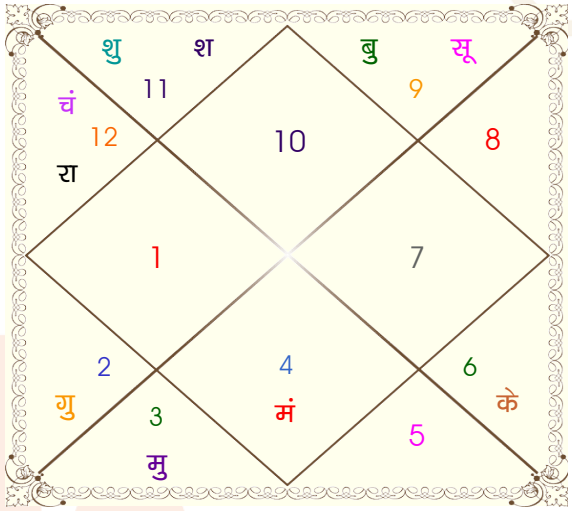

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे अनावश्यक चिन्ताएं तथा समस्याएं बढ़ेंगी। इस समय चोरों से भी सावधान रहना चाहिए तथा अपने उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित हो सकते हैं। इस मास में आपको सांसारिक कार्यों में भी असफलता मिलेगी तथा धन भी अनावश्यक रूप से व्यय होगा। इसके साथ ही आप किसी गलत कार्य को करने के लिए भी प्रेरित होंगे तथा ऐसे कार्यों को करके आप बाद में पश्चाताप करेंगे। अपने सम्बन्धियों से भी आपकी अनबन हो सकती है तथा मान हानि का भी योग बनता है एवं आशाओं में भी असफलता प्राप्त होगी।

परन्तु उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री से सुखी , बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार के सुख प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा तथा किसी धार्मिक कार्य को भी सम्पन्न करेंगे।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

द्वितीय मास

04/02/2025 19:20:08 से 06/03/2025 13:36:29 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:46:36
सूर्य		मकर	श्रवण	21:47:32
चन्द्र		मेष	अश्विनी	11:52:00
मंगल	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:16:18
बुध		मकर	श्रवण	18:12:23
गुरु		वृष	रोहिणी	17:04:14
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:58:23
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:36:29
राहु		मीन	उ०भाद्रपद	03:59:43
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:59:43
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	02:38:41

मासाधिपति

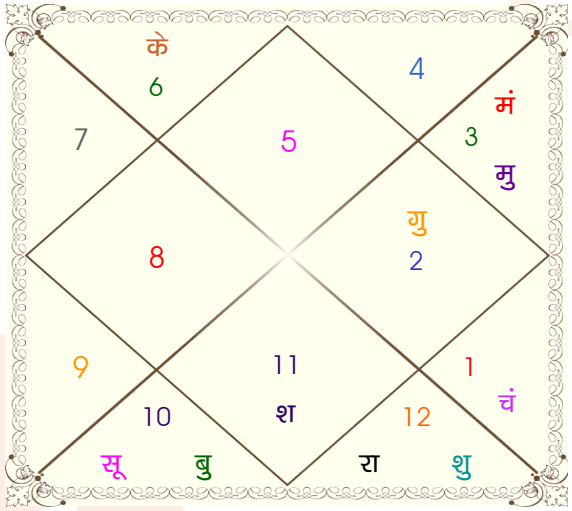

मासाधिपति : मंगल

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

तृतीय मास

06/03/2025 13:36:29 से 05/04/2025 18:43:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	26:23:20
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:47:32
चन्द्र		वृष	रोहिणी	17:16:42
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	23:25:52
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	09:46:24
गुरु		वृष	रोहिणी	18:31:41
शुक्र	व	मीन	उ०भाद्रपद	16:14:27
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:08:06
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	03:15:33
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:15:33
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	05:08:41

मासाधिपति

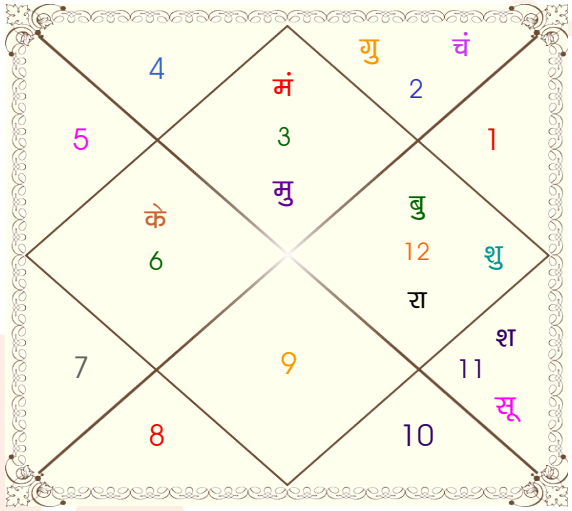

मासाधिपति : शनि

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

चतुर्थ मास

05/04/2025 18:43:41 से 06/05/2025 12:18:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	00:40:10
सूर्य		मीन	रेवती	21:47:32
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	27:25:38
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	00:56:22
बुध	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:47:01
गुरु		वृष	रोहिणी	22:29:34
शुक्र	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:33:09
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:49:18
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	03:04:29
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:04:29
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	07:38:41

मासाधिपति

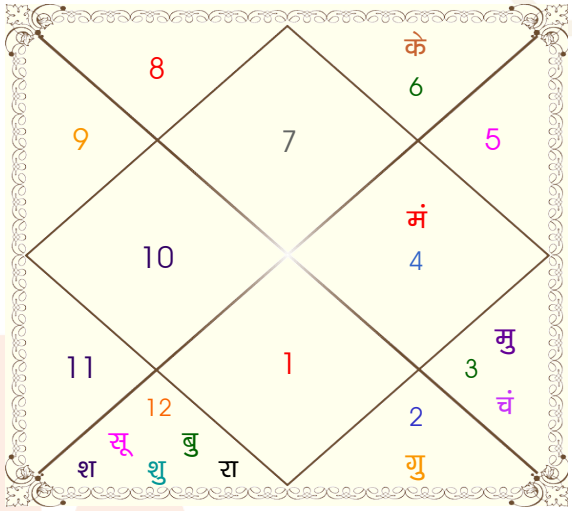

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

पंचम् मास

06/05/2025 12:18:38 से 06/06/2025 16:38:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	01:37:20
सूर्य		मेष	भरणी	21:47:32
चन्द्र		सिंह	मघा	11:31:13
मंगल		कर्क	पुष्य	13:50:52
बुध		मीन	रेवती	28:58:35
गुरु		वृष	मृगशिरा	28:13:57
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:11:41
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:09:35
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	02:06:35
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:06:35
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	10:08:41

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

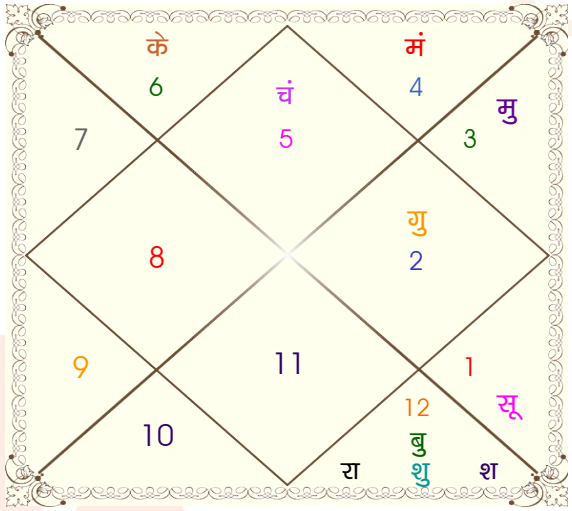

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

षष्ठ मास

06/06/2025 16:38:01 से 08/07/2025 02:55:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	26:35:43
सूर्य		वृष	रोहिणी	21:47:32
चन्द्र		कन्या	चित्रा	28:17:28
मंगल		कर्क	आश्लेषा	29:47:01
बुध		मिथुन	मृगशिरा	00:37:57
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	05:00:55
शुक्र		मेष	अश्विनी	06:03:11
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:36:53
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:40:06
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	29:40:06
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	12:38:41

मासाधिपति

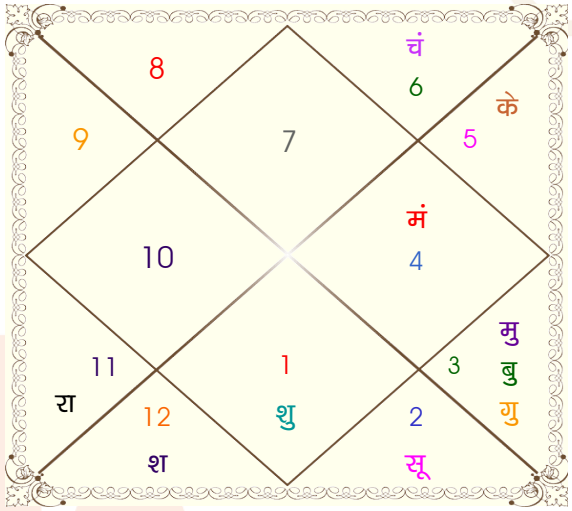

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप मात्रा में लाभार्जन करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय से सम्पन्न हो जाएंगे। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा तथा भाग्योदय संबधी कार्य शीघ्र सम्पन्न होते रहेंगे। आपकी बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी करेंगे।साथ ही उच्चाधिकारियों से मान एवं सम्मान अर्जित करेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों से अत्यंत ही मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस प्रकार सम्पूर्ण मास विविध प्रकार के सुखों को उपभोग करते हुए व्यतीत करेंगे तथा समाज से यश भी अर्जित करेंगे।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

सप्तम् मास

08/07/2025 02:55:00 से 08/08/2025 12:36:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	21:10:05
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	21:47:32
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:32:28
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:34:29
बुध		कर्क	आश्लेषा	17:20:39
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	12:10:02
शुक्र		वृष	कृतिका	09:22:32
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:41:48
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:26:57
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	26:26:57
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	15:08:41

मासाधिपति

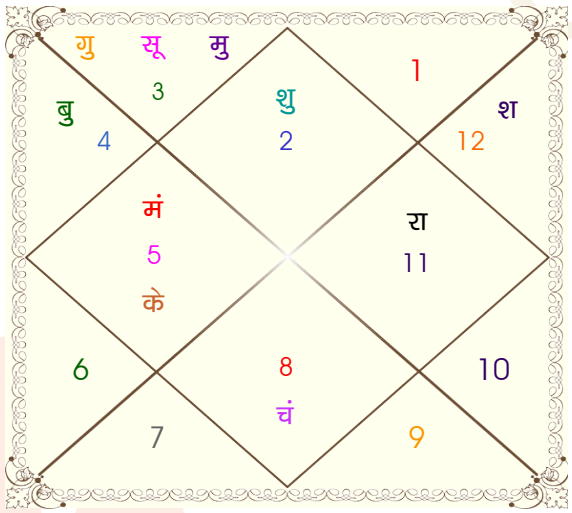

मासाधिपति : बुध

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

अष्टम् मास

08/08/2025 12:36:17 से 08/09/2025 15:19:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	27:53:14
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	21:47:32
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:58:27
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:36:27
बुध	व	कर्क	पुष्य	10:31:46
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	19:02:11
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	15:14:15
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:09:23
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:24:49
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:24:49
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	17:38:41

मासाधिपति

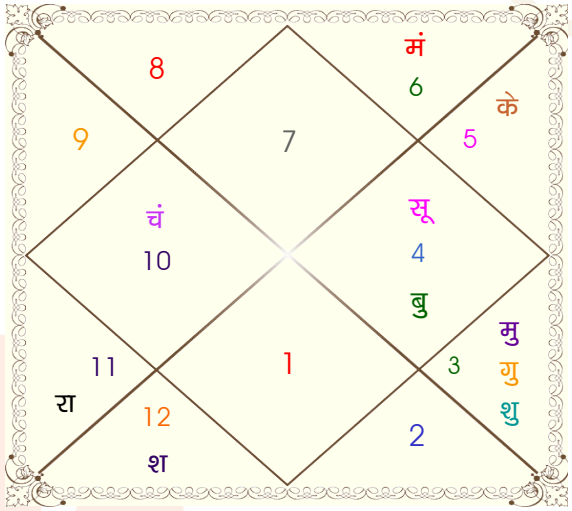

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

नवम् मास

08/09/2025 15:19:08 से 09/10/2025 06:44:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:29:39
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:47:32
चन्द्र		मीन	पू०भाद्रपद	00:30:00
मंगल		कन्या	चित्रा	26:32:07
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:05:34
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:56:34
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	22:16:12
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:16:26
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:02
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:02
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	20:08:41

मासाधिपति

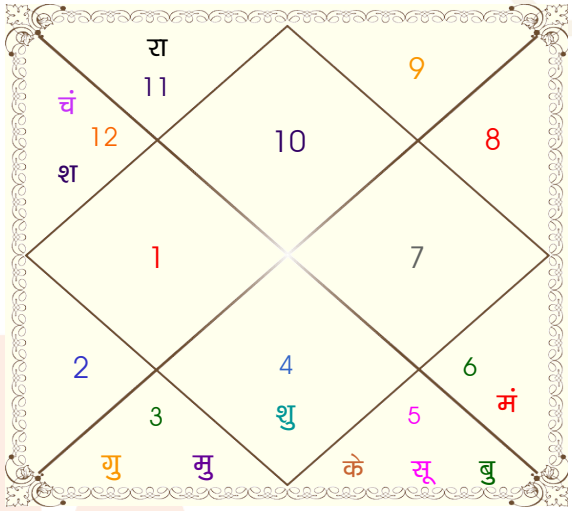

मासाधिपति : शनि

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास

09/10/2025 06:44:32 से 08/11/2025 09:44:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	04:14:28
सूर्य		कन्या	हस्त	21:47:32
चन्द्र		मेष	भरणी	18:20:50
मंगल		तुला	स्वाति	17:09:42
बुध		तुला	स्वाति	09:18:02
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:08:56
शुक्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:47:24
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:56:52
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:54:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:54:30
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	22:38:41

मासाधिपति

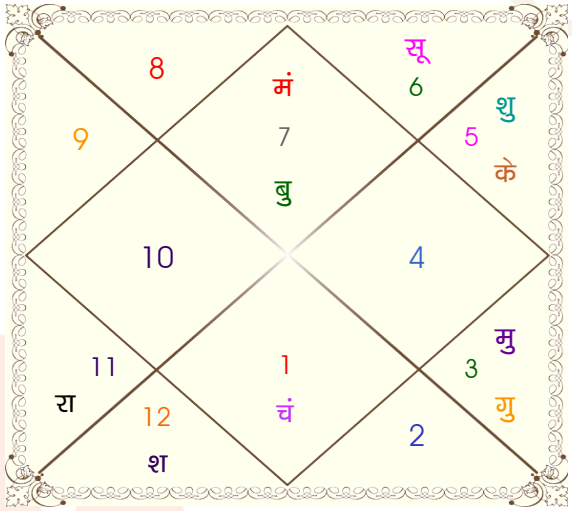

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वग! आपसे पूर्ण प्रसतथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे।साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

एकादश मास

08/11/2025 09:44:59 से 08/12/2025 02:30:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	09:59:00
सूर्य		तुला	विशाखा	21:47:32
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	29:04:34
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	08:23:27
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	12:27:32
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:54:47
शुक्र		तुला	स्वाति	07:19:31
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:17:24
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:11:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:11:30
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	25:08:41

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

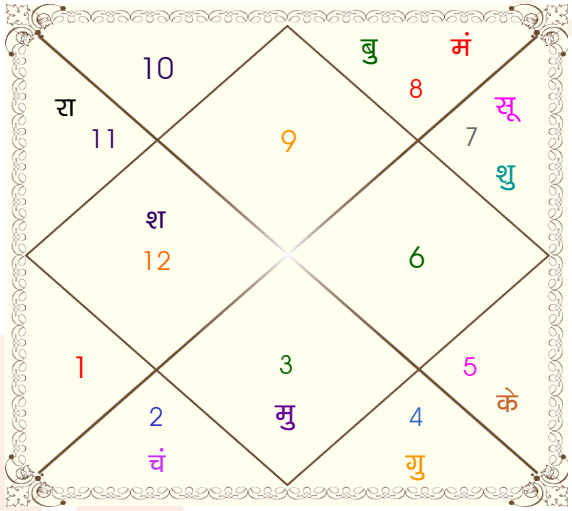

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे या इनको कोई कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी बलवान रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपके अन्दर उत्साह के भाव की न्यूनता स्पष्ट परिलक्षित होगी तथा धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा। अतः आर्थिक क्षेत्र में आप कष्ट प्राप्त करेंगे। आप का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा एवं स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मनमुटाव तथा वैमनस्य रहेगा। इसके अतिरिक्ति समाज तथा परिवार के लोगों से आपके परस्पर विवाद होते रहेंगे।अतः ऐसे समय को संयम पूर्वक व्यतीत करना ही बुद्धिमानी रहेगी।

साथ ही इस मास में आपको अल्प मात्रा में शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति भी हो सकती है। इस समय आप नवीन वस्त्र तथा द्रव्य आदि भी प्राप्त कर सकते है जिससे आप किंचित सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330

द्वादश मास

08/12/2025 02:30:57 से 06/01/2026 13:46:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	00:18:35
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:47:32
चन्द्र		कर्क	पुनर्वसु	02:19:47
मंगल		धनु	मूल	00:11:38
बुध		वृश्चिक	विशाखा	01:11:17
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:48:36
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	14:37:27
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:01:19
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:00:12
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:00:12
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	27:38:41

मासाधिपति

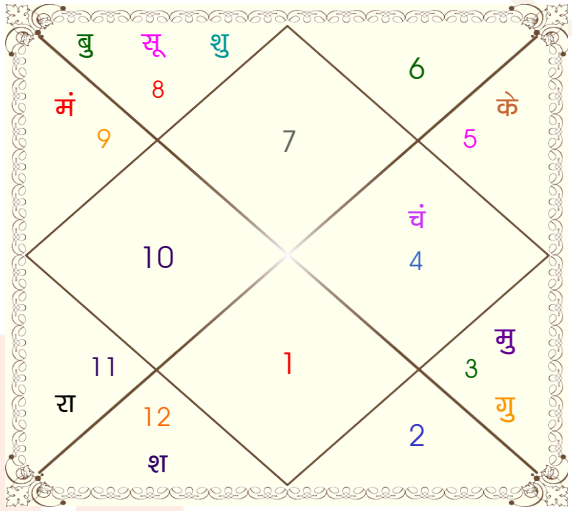

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।

Chandan (Astrologer)
Janampatri & Gems Speacialist
Email - astrovisionn@gmail.com
Mob - 9312078330